६. ऐसा भी होता है

(पठनार्थ)

– *अभिषेक जैन*

गरजे मेघ
सहमकर काँपी
कच्ची दीवार ।

रवि चढ़ाए
निर्मल किरणों से
धरा को अर्घ्य ।

आ के पसरी
थकी हारी किरण
धरा की गोद ।

खुली आँखों ने
जीवन भर देखे
बंद सपने ।

कटते तरु
उजड़ा आशियाना
रोए पखेरू ।

बच्चे पतंग
माँ–बाप थामें डोर
छूते गगन ।

तन माटी का
फिर कैसा गुमान
कद काठी का ।

उड़ा पखेरू
देखता रह गया
ठगा–सा तरु ।

डाकिया चला
बाँटने सुख–दुख
भर के झोला ।

मैया की आई
वृद्धाश्रम से चिट्‌ठी
कैसे हो बेटा ।

हो गई चोरी
संस्कारों की तिजोरी
लुट गया मैं ।

— ० —

परिचय

जन्म : १९७९, गिरिडीह (झारखंड)
परिचय : अभिषेक जैन जी ने कविता, कहानी, निबंध आदि विविध विधाओं में लेखन किया है । अनुभवों पर आधारित आपकी रचनाएँ विविध पत्र–पत्रिकाओं में नियमित छपती रहती हैं ।

पद्‍य संबंधी

हाइकु : मूलतः जापान की लोकप्रिय विधा है । इसे विश्व की सबसे छोटी कविता कहा जाता है । पाँचवें दशक से हिंदी साहित्य ने खुले मन से हाइकु को स्वीकार किया है। हाइकु कविता ५+७+५=१७ वर्ण के ढाँचे में लिखी जाती है ।

प्रस्तुत विभिन्न हाइकुओं के माध्यम से कवि ने गरीबी, थकान, वृक्षों के कटने के दुष्परिणाम, अनावश्यक अहं, वृद्धाश्रम के दर्द, संस्कारों के अभाव आदि विविध विषयों पर प्रकाश डाला है ।

शब्द संसार

तरु पुं.सं.(सं.)= वृक्ष, पेड़
आशियाना पुं.सं.(फा.)= घोंसला
पखेरू पुं.सं.(सं.) = पंछी, पक्षी
गुमान पुं.सं.(फा.)= अभिमान, गर्व, घमंड

स्वाध्याय

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

(१) कृति पूर्ण कीजिए –

पद्य में आए प्राकृतिक घटक

(२) उचित शब्द लिखिए :

१. सहमकर काँपने वाली –
२. घोंसला उजड़ने पर रोने वाला –
३. सुख-दुख बाँटने वाला –
४. वृद्धाश्रम से चिट्ठी भेजने वाली –

(३) 'किरण' शब्द की दो विशेषताएँ :

भाषा बिंदु

आकृति में दिए गए वाक्य का काल पहचानकर निर्देशानुसार काल परिवर्तन कीजिए :

गाँव वाले भी खूब परिश्रम कर रहे थे । ---- काल

सामान्य वर्तमानकाल ------------------------

सामान्य भविष्यकाल ------------------------, अपूर्ण भविष्यकाल ------------------------

पूर्ण वर्तमानकाल ------------------------

सामान्य भूतकाल ------------------------

अपूर्ण वर्तमानकाल ------------------------

पूर्ण भविष्यकाल ------------------------

पूर्ण भूतकाल ------------------------

उपयोजित लेखन

'मेरा प्रिय त्योहार' विषय पर अस्सी से सौ शब्दों में निबंध लिखिए ।

CHZPRP